चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 30 सितंबर 2026, अंक –369.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

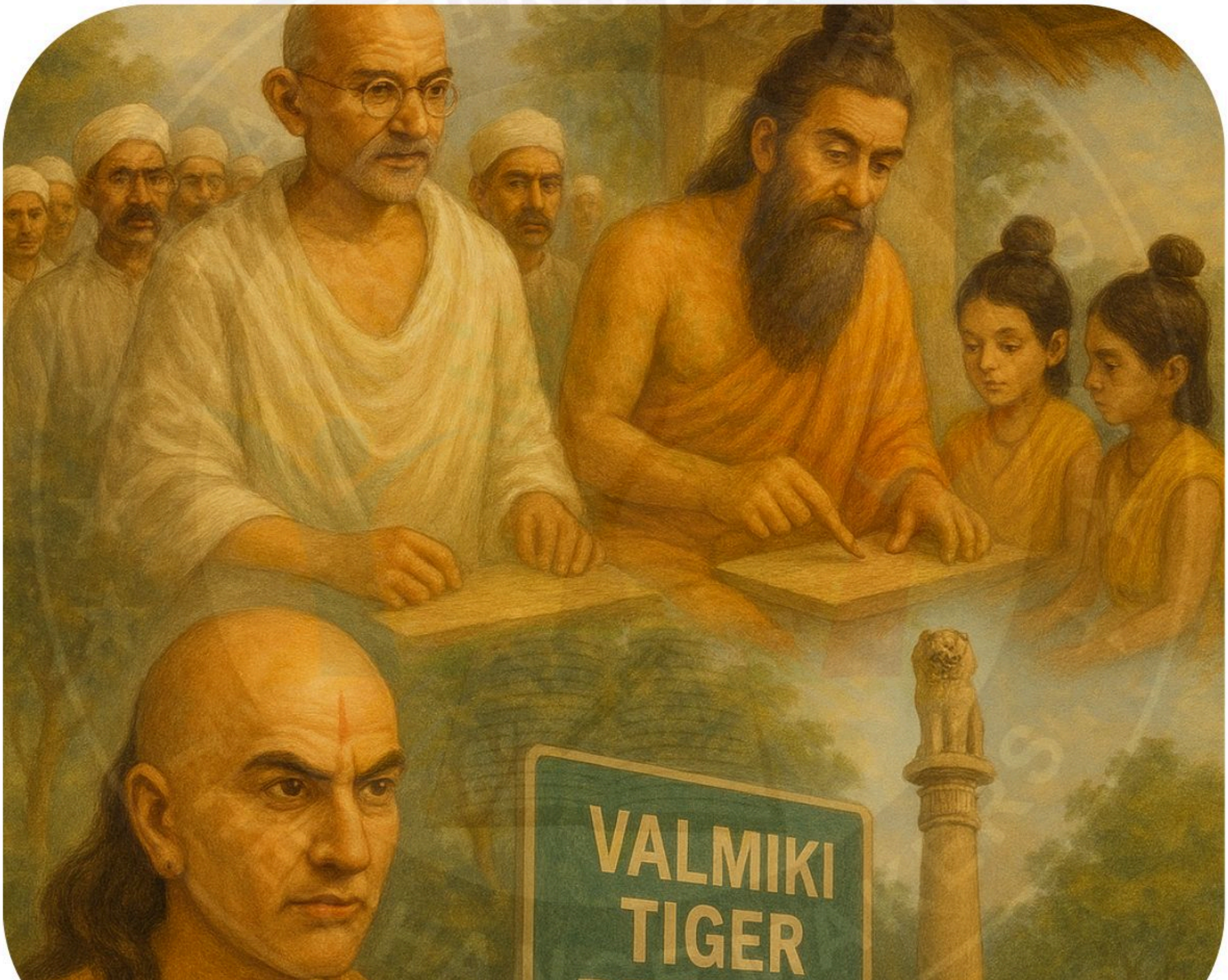

"शुद्ध हृदय ही ईश्वर का मंदिर है।"

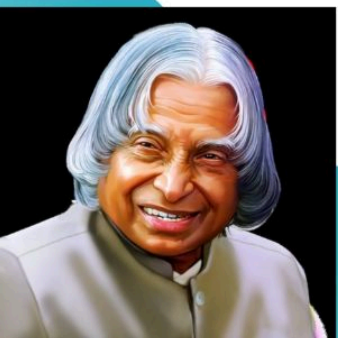

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है...।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है...।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है...।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है...।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. बेलीज की राजधानी क्या है?
उत्तर: बेलमोपान
प्रश्न 2. भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त कौन थे?
उत्तर: सुकुमार सेन
प्रश्न 3. 'हाफिजा' किस क्षेत्र की पारंपरिक नृत्य-परंपरा है?
उत्तर: कश्मीर
प्रश्न 4. 480 रु प्रतिकिलोग्राम की दर से 200 ग्राम लोंग का मूल्य कितना है?
उत्तर: 96 रुपया
प्रश्न 5. बिहार का 'दाऊद खान का किला' किस जिले में स्थित है?
उत्तर: औरंगाबाद
प्रश्न 6. केंचुआ मिट्टी में रहते हुए किस अंग/भाग से श्वसन करता है?
उत्तर: त्वचा
प्रश्न 7. विद्युतचुंबकीय प्रेरण की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?
उत्तर: माइकल फैराडे
प्रश्न 8. भारत के प्रधानमंत्री की नियुक्ति कौन करता है?
उत्तर: राष्ट्रपति
प्रश्न 9. 'आशा' का विलोम शब्द क्या है?
उत्तर: निराशा
प्रश्न 10. वर्षा के पानी को भविष्य में उपयोग के लिए एकत्र करने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?
उत्तर: वर्षाजल संचयन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1️⃣ Canal - कनाल - नहर
2️⃣ Bay - बे - खाड़ी
3️⃣ Strait - स्ट्रेट - जलडमरूमध्य
4️⃣ Archipelago - आर्किपेलागो - द्वीपसमूह
5️⃣ Isthmus - इस्थमस - स्थलडमरूमध्य
6️⃣ Cape - केप - अंतरीप
7️⃣ Fjord - फ्योर्ड - संकीर्ण समुद्री खाड़ी

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "How am I going to + V1?"
(मैं ... कैसे करने वाला/वाली हूँ?)

मैं यह काम कैसे करने वाला/वाली हूँ? – How am I going to do this work?
मैं वहाँ कैसे जाने वाला/वाली हूँ? – How am I going to go there?
मैं यह कठिन प्रश्न कैसे हल करने वाला/वाली हूँ? – How am I going to solve this difficult question?
मैं अपने मित्र की मदद कैसे करने वाला/वाली हूँ? – How am I going to help my friend?
मैं अंग्रेज़ी का अभ्यास कैसे करने वाला/वाली हूँ? – How am I going to practise English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 30 सितंबर को बाइबल के प्रमुख अनुवादक संेट जेरोम के स्मृति दिवस पर भाषाओं के सेतु और सांस्कृतिक संवाद के सम्मान में कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस (International Translation Day)

व्याख्या: 30 सितंबर को प्रतिवर्ष 'अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस' (International Translation Day) मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 24 मई 2017 को संकल्प 71/288 पारित कर इस दिवस को औपचारिक मान्यता प्रदान की थी। यह दिन बाइबल के संरक्षक संत और अनुवादक संेट जेरोम (Saint Jerome) की पुण्यतिथि की स्मृति में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रों के मध्य शांति, समझ, बहुभाषावाद और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने में पेशेवर अनुवादकों, दुभाषियों और भाषाविदों के अमूल्य योगदान को सम्मानित करना है।

संदर्भ: UN General Assembly Resolution 71/288;

प्र.2. सितंबर 2026 में भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन और जलीय कृषि अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु किस प्रमुख राष्ट्रीय योजना के उन्नत चरण का शुभारंभ किया गया? (समसामयिक घटना)

उत्तर: प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY 2.0)

व्याख्या: सितंबर 2026 में भारत को वैश्विक मत्स्य निर्यात और अंतर्देशीय जलकृषि में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (PMMSY) के अगले उन्नत चरण का विस्तार किया गया। इसके तहत आधुनिक कोल्ड-चेन नेटवर्क, बायोफ्लॉक और आरएएस (RAS) जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग, नदी-तटीय मत्स्य बीज संवर्धन तथा मछुआरों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया गया है। यह पहल 'नीली क्रांति' (Blue Revolution) को तीव्र कर तटीय एवं मैदानी राज्यों में लाखों प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित कर रही है।

संदर्भ: Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying Press Release September 2026;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध सामाजिक उपन्यास है, जिसमें स्वाधीनता-पूर्व भारत में संयुक्त परिवार के आदर्श, संपत्ति के पारिवारिक विभाजन और 'ज्ञानशंकर' के स्वार्थ व कपट का यथार्थवादी अंकन किया गया है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: प्रेमाश्रम (1922)

व्याख्या: 'प्रेमाश्रम' (1922) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक युगांतरकारी सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। यह हिंदी का पहला ऐसा उपन्यास माना जाता है जिसमें किसान-समस्या और ज़मींदारी प्रथा के क्रूर शोषण को केंद्रीय विषय बनाया गया है। इसमें ज्ञानशंकर के लोभ, छल-कपट और षड्यंत्रों के विपरीत उसके भाई प्रभाशंकर और प्रेमशंकर के आदर्शवादी, जन-कल्याणकारी चरित्र का द्वंद्व चित्रित है। प्रेमशंकर गाँव में 'प्रेमाश्रम' की स्थापना कर किसानों को संगठित करते हैं और आत्मनिर्भरता की राह दिखाते हैं। यह उपन्यास गांधीवादी असहयोग और ग्राम-स्वराज्य की अवधारणा से गहराई से प्रेरित है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — 'प्रेमाश्रम', सरस्वती प्रेस/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी भी क्षेत्र में उपस्थित प्राथमिक उत्पादकों (हरे पादपों) द्वारा प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से कुल संचित रासायनिक ऊर्जा में से श्वसन क्रिया (Respiration) में व्यय ऊर्जा को घटाने के बाद बची शुद्ध ऊर्जा को क्या कहते हैं? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता (Net Primary Productivity - NPP)

व्याख्या: किसी पारिस्थितिक तंत्र में हरे पौधों द्वारा प्रकाश संश्लेषण द्वारा बनाए गए कुल जैव-भार उत्पादन की दर को 'सकल प्राथमिक उत्पादकता' (Gross Primary Productivity - GPP) कहा जाता है। उत्पादक अपनी कोशिकीय श्वसन और उपापचय क्रियाओं में इस ऊर्जा का एक हिस्सा (R) खर्च कर देते हैं। इस व्यय के पश्चात जो जैव-भार या रासायनिक ऊर्जा संचित रूप में पौधों के ऊतकों में बच जाती है, उसे 'शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता' (NPP) कहते हैं, अर्थात $\text{NPP} = \text{GPP} - R$। यही शुद्ध ऊर्जा अगले पोषण स्तर के शाकाहारी जीवों और अपघटकों के उपभोग हेतु उपलब्ध वास्तविक बायोमास होती है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem), p. 260–263;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हरियाणा के रोहतक और रिवाड़ी क्षेत्र में ब्रिटिश सेना के खिलाफ अदम्य शौर्य से लड़ते हुए दिल्ली के विद्रोही सैनिकों को रसद और सैन्य सहायता पहुँचाने वाले यदुवंशी शासक कौन थे? (इतिहास)

उत्तर: राजा राव तुला राम

व्याख्या: राव तुला राम (9 दिसंबर 1825 – 23 सितंबर 1863) 1857 के स्वाधीनता संग्राम के हरियाणा के महानतम जननायक और सेनानी थे। उन्होंने अपने चचेरे भाई गोपाल देव के साथ मिलकर रिवाड़ी, बोहड़ा और शाहजहांपुर से ब्रिटिश हुकूमत को पूरी तरह उखाड़ फेंका और स्वयं को स्वतंत्र शासक घोषित किया। उन्होंने तोपखाने और बारूद का कारखाना स्थापित कर दिल्ली में लड़ रहे सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र और विद्रोही सेना को 45,000 रुपये का वित्तीय अनुदान और रसद सामग्री भेजी। 16 नवंबर 1857 को 'नसीबपुर' (नारनौल) के ऐतिहासिक भीषण युद्ध में उन्होंने कर्नल जेरार्ड की ब्रिटिश सेना को कड़ी शिकस्त दी। हरियाणा में उनकी शहादत दिवस (23 सितंबर) को 'वीर एवं शहीदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके

प्र.6. हिमालय पर्वतमाला की वह सबसे बाह्य एवं नवीनतम शिवालिक पर्वत श्रेणी कौन-सी है, जो लघु हिमालय से 'दून' और 'द्वार' घाटियों (जैसे देहरादून और कोटद्वार) द्वारा अलग होती है? (भूगोल)

उत्तर: शिवालिक श्रेणी (उप-हिमालय / Outer Himalayas)

व्याख्या: शिवालिक श्रेणी हिमालय की सबसे दक्षिणी और बाह्यतम पर्वत श्रृंखला है, जिसकी औसत ऊंचाई 900 से 1100 मीटर तथा चौड़ाई 10 से 50 किलोमीटर तक है। यह मुख्य रूप से नदियों द्वारा हिमालय के मुख्य भागों से लाए गए असंगठित तलछटों (रेत, कंकड़ और बोल्डर) से निर्मित है। यह श्रृंखला विवर्तनिक दृष्टि से अत्यंत अस्थिर और नवीन है। लघु हिमालय (मध्य हिमालय) और शिवालिक के मध्य स्थित अनुदैर्ध्य (Longitudinal) समतल घाटियों को पश्चिम में 'दून' (जैसे देहरादून, पतली दून, कोटली दून) और पूर्व में 'द्वार' (जैसे हरिद्वारा, सिलीगुड़ी द्वार) कहा जाता है। यह क्षेत्र घने तराई वनों और जैव-विविधता से समृद्ध है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 2 "भारत का भौतिक स्वरूप", p. 10–13;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य विधानमंडलों के समक्ष प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में राज्य के 'वार्षिक वित्तीय विवरण' (राज्य बजट) को प्रस्तुत करने की संवैधानिक अनिवार्यता निर्धारित करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 202 (Annual Financial Statement of State)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-VI में राज्य विधानमंडल की वित्तीय प्रक्रियाओं के अंतर्गत 'अनुच्छेद 202' राज्य सरकार के बजट से संबंधित है। इसके अनुसार, राज्यपाल प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में राज्य के विधानमंडल के सदन या सदनों के समक्ष उस वर्ष के लिए राज्य की अनुमानित प्राप्तियों और व्यय का विवरण रखवाएंगे, जिसे 'वार्षिक वित्तीय विवरण' (Annual Financial Statement) कहा जाता है। यह अनुच्छेद केंद्र के अनुच्छेद 112 (केंद्रीय बजट) के समानांतर राज्य स्तर पर वित्तीय उत्तरदायित्व और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। इसमें संचित निधि पर भारित व्यय और अन्य व्यय को अलग-अलग दर्शाना अनिवार्य होता है।

संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Article 202; NCERT Political Science Class 11 (भारत का

प्र.8. किसी पारदर्शी माध्यम के उस गुण को क्या कहते हैं, जो यह निर्धारित करता है कि प्रकाश किरण उस माध्यम में प्रवेश करने पर अपने मूल पथ से कितनी अधिक या कम मुड़ेगी (विचलित होगी)? (विज्ञान)

उत्तर: प्रकाशिक घनत्व (Optical Density)

व्याख्या: प्रकाशिक घनत्व किसी पारदर्शी माध्यम का वह आंतरिक भौतिक गुण है जो प्रकाश की चाल और उसके अपवर्तन (Bending) की सीमा को निर्धारित करता है। यह माध्यम के द्रव्यमान घनत्व (Mass Density) से भिन्न होता है; उदाहरण के लिए तारपीन के तेल का द्रव्यमान घनत्व जल से कम होता है, किंतु उसका प्रकाशिक घनत्व जल से अधिक होता है। जिस माध्यम में प्रकाश की चाल कम होती है, उसे 'प्रकाशिक सघन माध्यम' (Optically Denser Medium) कहते हैं, और जिस माध्यम में चाल अधिक होती है, उसे 'प्रकाशिक विरल माध्यम' (Optically Rarer Medium) कहते हैं। जब प्रकाश किरण विरल से सघन माध्यम में जाती है, तो वह अभिलंब की ओर झुक जाती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 188–191;

प्र.9. 7वीं शताब्दी में चालुक्य राजवंश के राजाओं द्वारा कर्नाटक के बागलकोट जिले में लाल बलुआ पत्थर की गुफाओं को तराशकर बनाया गया वह कौन-सा विख्यात मंदिर समूह है, जिसकी गुफा संख्या-3 में भगवान विष्णु के वराह रूप की उत्कृष्ट मूर्ति है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: बादामी की गुफाएं (वातपी / Badami Cave Temples)

व्याख्या: बादामी गुफा मंदिर परिसर कर्नाटक के बागलकोट जिले में स्थित चालुक्य स्थापत्य शैली (वेसर शैली की जननी) का एक अत्यंत प्राचीन और भव्य उदाहरण है। चालुक्यों की तत्कालीन राजधानी 'वातापी' (वर्तमान बादामी) में स्थित इन चार मुख्य गुफा मंदिरों का निर्माण 6वीं और 7वीं शताब्दी में मंगलेश और कीर्तिवर्मन प्रथम के काल में हुआ था। ये गुफाएं लाल बलुआ पत्थर की खड़ी चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं: गुफा 1 भगवान शिव (नटराज के 18 हाथों वाले रूप) को, गुफा 2 और 3 भगवान विष्णु (त्रिविक्रम, वराह, अनंतशयन रूप) को समर्पित हैं, जबकि गुफा 4 जैन तीर्थंकरों (पार्श्वनाथ व महावीर) को समर्पित है। यह स्मारक द्रविड़ और नागर शैली के आरंभिक समन्वय को दर्शाता है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 5 "भारतीय गुफा कला और स्मारक", p. 65–70;

प्र.10. 1921 में महात्मा गांधी द्वारा बिहार के सदाकत आश्रम (पटना) में स्थापित वह कौन-सा राष्ट्रीय उच्च शिक्षण संस्थान था, जिसके प्रथम कुलाधिपति मौलाना मजहरुल हक और कुलपति ब्रजकिशोर प्रसाद बने थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: बिहार विद्यापीठ (Bihar Vidyapeeth)

व्याख्या: 1920-21 के असहयोग आंदोलन के दौरान जब विदेशी शिक्षण संस्थानों के बहिष्कार का आह्वान किया गया, तो छात्रों को राष्ट्रीय, स्वावलंबी और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा देने हेतु 6 फरवरी 1921 को महात्मा गांधी ने पटना के सदाकत आश्रम परिसर में 'बिहार विद्यापीठ' का औपचारिक उद्घाटन किया। इस संस्थान के प्रथम कुलाधिपति (Chancellor) मौलाना मजहरुल हक और प्रथम कुलपति (Vice-Chancellor) ब्रजकिशोर प्रसाद बनाए गए, जबकि डॉ. राजेंद्र प्रसाद इसके प्रथम प्राचार्य (Principal) नियुक्त हुए। विद्यापीठ ने बिहार के युवाओं में चरखा कताई, ग्रामोद्योग और स्वाधीनता संग्राम की राष्ट्रीय चेतना के प्रसार में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। स्वाधीनता के बाद राष्ट्रपति पद से सेवानिवृत्त होकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपने जीवन के अंतिम दिन इसी परिसर में बिताए थे।

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W4 – नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव) के अनुसार यदि बाढ़ या सामान्य दिनों में कोई छोटी नाव पलट जाए, तो यात्रियों को तुरंत तैरकर किनारे भागने के बजाय नाव के पेंदे (हूल) को क्यों पकड़े रहना चाहिए और पानी में कपड़े/जूते उतारना कब जीवन-रक्षक होता है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: नाव की स्वाभाविक उछाल (Buoyancy) सहारा देती है; भारी भीगे जूते व पैंट जल में डूबने का वजन बढ़ाते हैं

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W4: नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार, नाव पलटने की आपात स्थिति में जीवन रक्षा के व्यावहारिक भौतिक नियम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं: (1) यदि नाव बीच नदी में पलट जाए, तो अनट्रेंड तैराकों को सीधे किनारे की ओर तैरने की भूल नहीं करनी चाहिए, क्योंकि किनारे की दूरी का भ्रम और जल-धारा का बहाव व्यक्ति को थकाकर डुबो देता है; इसके विपरीत लकड़ी या फाइबर की नाव का पेंदा (Keel) हवा और सामग्री के कारण पानी की सतह पर तैरता रहता है (Plavanta / Buoyancy); सभी यात्रियों को उस उल्टी नाव के किनारे को मजबूती से पकड़े रहना चाहिए जब तक कि बचाव नौका न आ जाए; (2) यदि मजबूरी में तैरना पड़े, तो भारी चमड़े के जूते, भारी जींस या भारी जैकेट को तुरंत पानी के भीतर ही उतारकर अलग कर देना चाहिए, क्योंकि पानी सोखने के बाद ये परिधान कई किलोग्राम अतिरिक्त भार बन जाते हैं जो व्यक्ति को तेजी से नीचे खींचते हैं।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W4 – "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी", National Disaster Response Force (NDRF) Aquatic Rescue Protocol.

प्र.12. एक समचतुर्भुज (Rhombus) के दोनों विकर्णों (Diagonals) की लंबाइयाँ क्रमशः 16 सेमी और 12 सेमी हैं। बताइए उस समचतुर्भुज की प्रत्येक भुजा (Side) की लंबाई कितने सेंटीमीटर होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 10 सेंटीमीटर

व्याख्या: यह समचतुर्भुज के गुणों और समकोण त्रिभुज (पाइथागोरस प्रमेय) पर आधारित एक मानक रेखागणितीय प्रश्न है।
समचतुर्भुज की मूलभूत ज्यामितीय विशेषता है कि उसके दोनों विकर्ण एक-दूसरे को परस्पर समकोण (90°) पर समद्विभाजित (आधा-आधा) करते हैं।, यहाँ विकर्ण 1 (d_1) = 16 सेमी, अतः उसका आधा भाग ($d_1 / 2$) = 16 / 2 = 8 सेमी।, विकर्ण 2 (d_2) = 12 सेमी, अतः उसका आधा भाग ($d_2 / 2$) = 12 / 2 = 6 सेमी।, विकर्णों के कटान बिंदु पर चार समकोण त्रिभुज बनते हैं, जिनमें समचतुर्भुज की भुजा उस समकोण त्रिभुज का कर्ण (Hypotenuse) होती है।, पाइथागोरस प्रमेय के अनुसार:, भुजा^{2} = (आधा विकर्ण 1)^2 + (आधा विकर्ण 2)^2, भुजा^{2} = $8^2 + 6^2$, भुजा^{2} = 64 + 36 = 100, भुजा = वर्गमूल(100) = 10 सेमी।, अतः उस समचतुर्भुज की प्रत्येक भुजा की, लंबाई ठीक 10 सेंटीमीटर होगी।, (जाँच: समचतुर्भुज की परिमिति = 4 * 10 = 40 सेमी; क्षेत्रफल = (1/2) * 16 * 12 = 96 वर्ग सेमी)।, संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 3 "चतुर्भुजों को समझना"

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

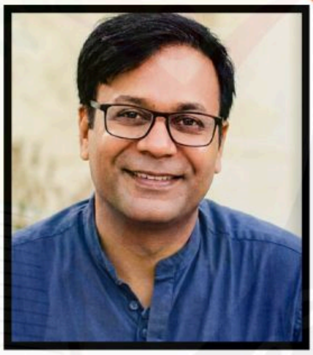

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Arcane (आर्केन) = Mysterious (मिस्टिरियस) = गूढ़ / रहस्यमय / दुर्बोध
   Antonym – Familiar (फमिलियर) = परिचित / जाना-पहचाना
2. Egregious (इग्रीजियस) = Outstandingly Bad (आउटस्टैंडिंगली बैड) = अत्यंत खराब / घोर निंदनीय
   Antonym – Admirable (ऐडमिरेबल) = प्रशंसनीय / सराहनीय
3. Inchoate (इनकोएट) = Rudimentary (रूडिमेन्टरी) = प्रारंभिक / अविकसित / अधूरा
   Antonym – Developed (डिवेलप्ट) = विकसित / पूर्ण
4. Perennial (परेनिअल) = Enduring (इन्ड्यूरिंग) = चिरस्थायी / बार-बार होने वाला
   Antonym – Temporary (टेम्परेरी) = अस्थायी / अल्पकालिक
5. Untenanted (अनटेनन्टेड) = Vacant (वेकेन्ट) = खाली / बिना निवासी वाला
   Antonym – Occupied (ऑक्युपाइड) = अधिवासित / भरा हुआ

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Supreme Court rejects plea challenging 0.4% MDR on UPI payments above ₹2,000; to be implemented from October 15
हिन्दी अनुवाद: सुप्रीम कोर्ट ने 2,000 रुपये से अधिक के UPI भुगतान पर 0.4% MDR के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की; 15 अक्टूबर से लागू होगा।�
सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 2,000 रुपये से अधिक के पर्सन-टू-मर्चेंट UPI भुगतान पर 0.4% Merchant Discount Rate (MDR) लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। यह शुल्क 15 अक्टूबर 2026 से लागू होगा। UPSC/BPSC के लिए: UPI — यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस; MDR — मर्चेंट डिस्काउंट रेट; RBI — भारतीय रिजर्व बैंक।

Supreme Court to hear plea on CEC Gyanesh Kumar's functioning next week; questions Special Intensive Revision of electoral rolls
हिन्दी अनुवाद: सुप्रीम कोर्ट अगले सप्ताह CEC ज्ञानेश कुमार के कार्यकरण पर याचिका सुनेगा; मतदाता सूची की विशेष गहन संशोधन को चुनौती।�
सुप्रीम कोर्ट ने अगले सप्ताह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकरण को चुनौती देने वाली और देशव्यापी विशेष गहन संशोधन (SIR) को अवैध घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है। UPSC/BPSC के लिए: ECI — भारत निर्वाचन आयोग; CEC — मुख्य चुनाव आयुक्त; Electoral rolls — मतदाता सूची।

Defence Minister Rajnath Singh emphasizes geo-strategic thinking; India-Saudi Arabia review defence, security, trade cooperation
हिन्दी अनुवाद: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भू-रणनीतिक सोच पर बल दिया; भारत-सऊदी अरब ने रक्षा, सुरक्षा, व्यापार सहयोग की समीक्षा की।�
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत को बदलती तकनीक, अप्रत्याशितता और भौगोलिक निकटता से उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर भू-रणनीतिक सोच और आकस्मिक योजना को अपनी तैयारी का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। भारत और सऊदी अरब ने रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और शिक्षा में सहयोग की समीक्षा की। UPSC/BPSC के लिए: Geo-strategic thinking — भू-रणनीतिक सोच; India-Saudi relations — भारत-सऊदी संबंध; Defence cooperation — रक्षा सहयोग।

INTERNATIONAL NEWS

US, Iran hold separate talks with mediators in renewed bid to end 7-month war; focus on amended 7-day Hormuz proposal
हिन्दी अनुवाद: US, ईरान ने 7-महीने के युद्ध को समाप्त करने के नए प्रयास में मध्यस्थों के साथ अलग-अलग वार्ता की; संशोधित 7-दिन होर्मुज़ प्रस्ताव पर ध्यान।�
अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों ने सोमवार को मध्यस्थों के साथ अलग-अलग बातचीत की जो सात महीने के युद्ध को समाप्त करने के नवीनीकृत प्रयास का हिस्सा थी। किसी भी आगे की बातचीत में ईरान द्वारा पिछले सप्ताह UNGA के मार्जिन पर प्रस्तुत किए गए सात-दिन के प्रस्ताव के संशोधित संस्करण पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है। प्रस्ताव में ईरान और लेबनान में सभी शत्रुताओं का अंत, अरबों डॉलर के ईरानी परिसंपत्तियों को खोलना, ईरानी तेल पर प्रतिबंध का अंत और ईरानी बंदरगाहों पर US नाकाबंदी हटाना शामिल है। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; US-Iran talks — अमेरिका-ईरान वार्ता; UNGA — संयुक्त राष्ट्र महासभा।

Iranian FM Araghchi says Tehran prepared for 'doomsday' war with US; keeps diplomacy channels open
हिन्दी अनुवाद: ईरानी विदेश मंत्री अरागची ने कहा कि तेहरान US के साथ 'प्रलयंकारी' युद्ध के लिए तैयार; कूटनीति चैनल खुले रखे।
ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि तेहरान अमेरिका के साथ 'प्रलयंकारी' युद्ध के लिए तैयार है, लेकिन साथ ही कूटनीति के चैनल खुले रखे हैं। ईरान अभी भी अपने प्रस्ताव पर अमेरिकी औपचारिक प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा कर रहा है। UPSC/BPSC के लिए: Iran-US conflict — ईरान-अमेरिका संघर्ष; Diplomacy — कूटनीति; Middle East — मध्य पूर्व।

Iran's Bushehr nuclear power plant Unit 1 taken offline for maintenance with Russian specialists
हिन्दी अनुवाद: ईरान का बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र इकाई 1 रूसी विशेषज्ञों के साथ रखरखाव के लिए बंद किया गया।�
ईरान के बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र की इकाई 1 को नियमित रखरखाव के लिए बंद कर दिया गया है जिसमें रूसी विशेषज्ञों की भागीदारी है। यह रूसी राज्य परमाणु निगम रोसाटम द्वारा संचालित है। UPSC/BPSC के लिए: Nuclear power plant — परमाणु ऊर्जा संयंत्र; Rosatom — रूसी राज्य परमाणु निगम; IAEA — अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी।

BIHAR NEWS

Bihar floods: Gandak river rises after Nepal rain; CM Samrat Choudhary conducts aerial survey of 4 districts
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: नेपाल में बारिश के बाद गंडक नदी का जलस्तर बढ़ा; CM सम्राट चौधरी ने 4 जिलों का हवाई सर्वे किया।�
नेपाल में भारी बारिश के कारण बिहार में गंडक नदी का जलस्तर बढ़ गया है। पश्चिम चंपारण में बांध टूटने से निचले गांवों को खतरा है। CM सम्राट चौधरी ने सोमवार को चार जिलों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वे किया और अधिकारियों को राहत और बचाव अभियान तेज करने के निर्देश दिए। दुमरिया घाट पर गंडक नदी खतरे के निशान से लगभग 1.5 मीटर ऊपर बह रही है। UPSC/BPSC के लिए: CWC – केंद्रीय जल आयोग; HFL – Highest Flood Level; Flood management – बाढ़ प्रबंधन।

Gandak Barrage discharge at 4,97,200 cusecs, shows falling trend; authorities monitor vulnerable areas
हिन्दी अनुवाद: गंडक बैराज पर 4,97,200 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, गिरावट का रुझान दिखा रहा है; अधिकारी संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं।�
गंडक बैराज पर पानी का निर्वहन 4,97,200 क्यूसेक था और गिरावट का रुझान दिखा रहा है। CM ने अधिकारियों को लगातार संवेदनशील और निचले क्षेत्रों की निगरानी करने, प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता सुनिश्चित करने और बचाव अभियानों के लिए पूर्ण तैयारी बनाए रखने के निर्देश दिए। UPSC/BPSC के लिए: Barrage – बैराज; Flood monitoring – बाढ़ निगरानी; Disaster management – आपदा प्रबंधन।

SPORTS NEWS

Asian Games 2026: India's medal tally reaches 48 (5 gold, 20 silver, 23 bronze); Neeru Dhanda wins gold in women's trap
हिन्दी अनुवाद: एशियाई खेल 2026: भारत का पदक tally 48 पहुंचा (5 स्वर्ण, 20 रजत, 23 कांस्य); नीरू ढांडा ने महिलाओं की ट्रैप में स्वर्ण जीता।
भारत ने एशियाई खेल 2026 के दसवें दिन अपना पदक tally 48 तक पहुंचाया – 5 स्वर्ण, 20 रजत और 23 कांस्य। नीरू ढांडा ने महिलाओं की ट्रैप व्यक्तिगत फाइनल में स्वर्ण पदक जीता और एशियाई रिकॉर्ड बनाया। बॉक्सर नरेंदर ने पुरुषों के +90 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। UPSC/BPSC के लिए: Asian Games – एशियाई खेल, चार साल में एक बार; ISSF – अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स महासंघ; Boxing – मुक्केबाजी।

Athletics: India wins 6 medals on Day 10; Vithya Ramraj sets national record in women's 400m hurdles
हिन्दी अनुवाद: एथलेटिक्स: भारत ने दिन 10 में 6 पदक जीते; विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।�
भारत ने एशियाई खेल 2026 के दसवें दिन एथलेटिक्स में 6 पदक जीते। विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। भारत ने एथलेटिक्स, शूटिंग और कुराश में कुल 4 स्वर्ण और 4 कांस्य पदक जीते। UPSC/BPSC के लिए: Athletics – एथलेटिक्स; National record – राष्ट्रीय रिकॉर्ड; Asian Games – एशियाई खेल।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

आज का विचार:

मूड और प्रेरणा (MOTIVATION) के भरोसे मत बैठिए; अनुशासन और कर्तव्यबोध (DISCIPLINE & DUTY) को अपना साथी बनाइए। जब आप बिना किसी स्वार्थ और तनाव के अपना कर्म करते हैं, तो वही कर्म आपकी सबसे बड़ी शक्ति बन जाता है।

प्रेरक प्रसंग

अपमान का उपहार

एक बार गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ एक गाँव से गुजर रहे थे। उनके आने की खबर सुनकर एक व्यक्ति वहाँ पहुँचा। वह बुद्ध से बहुत नाराज़ था। उसने बिना किसी कारण उन्हें अपशब्द कहने शुरू कर दिए।

बुद्ध शांत खड़े रहे। उनके चेहरे पर न क्रोध था, न बेचैनी। शिष्य यह देखकर हैरान थे कि इतनी कठोर बातें सुनकर भी बुद्ध बिल्कुल शांत कैसे रह सकते हैं।

कुछ देर बाद वह व्यक्ति थक गया। बुद्ध ने सहजता से पूछा, "भाई, यदि कोई व्यक्ति किसी दूसरे को उपहार दे और वह व्यक्ति उस उपहार को लेने से मना कर दे, तो वह उपहार किसके पास रहेगा?"

उस व्यक्ति ने कहा, "जिसने दिया है, उसी के पास।"

बुद्ध मुस्कुराए और बोले, "ठीक उसी तरह, तुमने मुझे क्रोध और अपमान का उपहार दिया, लेकिन मैंने उसे स्वीकार नहीं किया। इसलिए वह तुम्हारे पास ही रह गया।"

वह व्यक्ति कुछ क्षण चुप रहा। उसे अपने शब्दों का अर्थ पहली बार समझ आया।

बुद्ध ने उसे दोषी ठहराने के बजाय कहा, "क्रोध में बोले गए शब्द पहले उसी मन को जलाते हैं, जिसमें वे पैदा होते हैं। यदि सामने वाला उन्हें स्वीकार न करे, तो वे आगे नहीं बढ़ते।"

उस व्यक्ति का सिर झुक गया। जिस मन में कुछ देर पहले क्रोध भरा था, वहाँ अब पश्चाताप था।

वह बुद्ध के चरणों में बैठ गया।

बुद्ध ने उसे उठाया और कहा, "दूसरों के व्यवहार पर हमारा नियंत्रण नहीं, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया पर हमारा अधिकार जरूर है।"

प्रेरक सीख:

हर अपमान को अपने भीतर जगह देना जरूरी नहीं। दूसरों का क्रोध तभी हमारा बनता है, जब हम उसे अपने मन में स्वीकार कर लेते हैं।

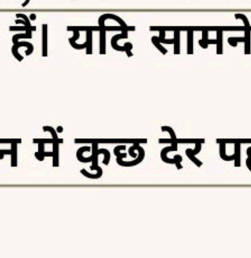

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-9

सोचो... समझो... हल करो...

8	4	3				2		
							5	6
1								
					7	3		1
9	8							
				5	6		7	
			9				8	
			3			4		5
7					1			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें ।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं ।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं ।

आज का विचार

"जो सीखने की इच्छा रखता है, उसके लिए हर दिन एक नया अवसर है ।"

— स्वामी विवेकानंद

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है ।

उत्तर

8	4	3	6	1	5	2	9	7
2	7	9	4	8	3	1	5	6
1	6	5	7	2	9	8	3	4
5	2	6	8	9	7	3	4	1
9	8	7	1	3	4	5	6	2
3	1	4	2	5	6	9	7	8
4	5	1	9	6	2	7	8	3
6	9	2	3	7	8	4	1	5
7	3	8	5	4	1	6	2	9

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं ।

"डिकोड"

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 3, श्लोक 19
तस्मादसक्तः सततं कार्यं कर्म समाचर।
असक्तो ह्याचरन्कर्म परमाप्नोति पूरुषः॥

सरल हिन्दी अर्थ:

इसलिए तुम निरंतर आसक्ति (फल की चिंता, स्वार्थ या अहंकार) से रहित होकर अपने कर्तव्य-कर्म का भली-भाँति आचरण करो; क्योंकि आसक्ति से रहित होकर कर्म करता हुआ मनुष्य उस परम लक्ष्य (परमात्मा या परम सिद्धि) को प्राप्त कर लेता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

श्रीकृष्ण यहाँ संन्यास का अर्थ 'जंगलों में भाग जाना' या 'काम छोड़ देना' नहीं बताते, बल्कि कर्म के भीतर रहकर ही मानसिक स्वतंत्रता पाना सिखाते हैं।

- **कार्यं कर्म (Duty vs. Mood): 'कार्यं कर्म' का अर्थ है वह काम जो किया जाना अनिवार्य है—हमारा धर्म, हमारी ज़िम्मेदारी। आधुनिक समय में लोग काम अपने 'मूड' के हिसाब से करते हैं। यह श्लोक अनुशासन (Discipline) की बात करता है: जो कर्तव्य है, उसे मन के बहाने बनाए बिना पूरा कीजिए।**
- **असक्तः (Detached Engagement): अक्सर लोग काम में इतने उलझ जाते हैं कि बर्नआउट (Burnout) और डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं, या फिर इतने लापरवाह हो जाते हैं कि काम ही छोड़ देते हैं। 'असक्त' भाव का अर्थ है—काम में 100% भागीदारी, लेकिन नतीजे के तनाव से 0% बोझ।**

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है।

एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026 — बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण ... संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, ... संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

बेगम हज़रत महल

प्यारे बच्चों, आपने झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की वीरता की गाथा तो सुनी है, जिन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए रणभूमि में तलवार उठाई थी। ठीक उसी तरह, उत्तर प्रदेश के अवध (लखनऊ) में एक ऐसी वीर और स्वाभिमानी रानी हुईं, जिन्होंने महल के पर्दे से बाहर निकलकर अंग्रेज़ी हुकूमत की चूलें हिला दी थीं। उन्हें इतिहास में बड़े आदर से 'बेगम हज़रत महल' और 'अवध की बेगम' कहा जाता है। बेगम हज़रत महल का जन्म वर्ष 1820 में उत्तर प्रदेश के फैज़ाबाद शहर के एक अत्यंत साधारण परिवार में हुआ था। बचपन में उनके माता-पिता ने उनका नाम 'मोहम्मदी खानम' रखा था। वे बचपन से ही बड़ी होनहार, बुद्धिमती, संगीत और साहित्य से प्रेम करने वाली एक आकर्षक बालिका थीं।

बड़ी होने पर उनका विवाह अवध के नवाब वाजिद अली शाह के साथ हुआ। नवाब साहब उनकी समझदारी, सुघड़ता और कुशाग्र बुद्धि से बहुत प्रभावित थे। जब उनके घर एक प्यारे पुत्र का जन्म हुआ, जिनका नाम 'बिरजिस क़द्र' रखा गया, तब नवाब साहब ने उन्हें शाही सम्मान देते हुए 'बेगम हज़रत महल' का खिताब दिया। वर्ष 1856 में अंग्रेज़ों ने छल-कपट का सहारा लेकर अवध पर कुशासन का झूठा आरोप लगाया और नवाब वाजिद अली शाह को गद्दी से हटाकर बंदी बनाकर कोलकाता (कलकत्ता) भेज दिया। लखनऊ की पूरी सल्तनत पर अंग्रेज़ों का कब्ज़ा हो गया। कई रानियाँ और अमीर चुपचाप बैठ गए, लेकिन स्वाभिमानी बेगम हज़रत महल ने अंग्रेज़ों के इस अन्याय के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया।

वर्ष 1857 में जब पूरे भारत में आज़ादी की पहली क्रांति भड़की, तब बेगम हज़रत महल ने अद्भुत साहस दिखाया। उन्होंने अपने ग्यारह वर्ष के नन्हें पुत्र बिरजिस क़द्र को अवध का नवाब घोषित किया और शासन की बागडोर खुद अपने हाथों में ले ली। उन्होंने हिंदू, मुस्लिम, किसान, सैनिक और ज़मींदारों को एक सूत्र में पिरोया। उन्होंने राजा जयलाल सिंह को सेनापति बनाया और क्रांतिकारी मौलवी अहमदुल्लाह शाह के साथ मिलकर अंग्रेज़ों के खिलाफ महासंग्राम छेड़ दिया। वे केवल आदेश नहीं देती थीं, बल्कि खुद हाथी की पीठ पर सवार होकर सैनिकों का हौसला बढ़ाने रणभूमि में उतरती थीं। लखनऊ में लड़ी गई 'चिनहट की लड़ाई' में बेगम की सेना ने अंग्रेज़ों को धूल चटा दी और अंग्रेज़ अफसरों को लखनऊ की रेज़िडेंसी में छुपने पर मजबूर कर दिया। कई महीनों तक लखनऊ अंग्रेज़ों के चंगुल से आज़ाद रहा।

जब अंग्रेज़ों की भारी सेना ने आधुनिक तोपों के साथ लखनऊ को दोबारा घेरा, तब भी बेगम डटी रहीं। अंग्रेज़ों ने उन्हें करोड़ों रुपये की पेंशन और आलीशान महलों का प्रलोभन देकर संधि करने का प्रस्ताव भेजा, पर इस देशभक्त वीरांगना ने अंग्रेज़ों के टुकड़ों पर पलने से बेहतर आज़ादी का संघर्ष चुना। लखनऊ हाथ से निकल जाने के बाद वे अपने बेटे और वफादार साथियों के साथ नेपाल की तराई के जंगलों में चली गईं। उन्होंने जंगलों में सादा जीवन बिताना स्वीकार किया, पर जीते-जी कभी अंग्रेज़ों के आगे सिर नहीं झुकाया। 7 अप्रैल 1879 को काठमांडू में इस महान वीरांगना ने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, बेगम हज़रत महल का जीवन हमें सिखाता है कि संकट कितना भी बड़ा हो, कभी लालच में न पड़ें, एकता की ताकत को पहचानें और अपने आत्मसम्मान तथा देश के लिए सदैव निडर होकर खड़े रहें।

...........✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

आज का विचार:

मूड और प्रेरणा (Motivation) के भरोसे मत बैठिए; अनुशासन और कर्तव्यबोध (Discipline & Duty) को अपना साथी बनाइए। जब आप बिना किसी स्वार्थ और तनाव के अपना कर्म करते हैं, तो वही कर्म आपकी सबसे बड़ी शक्ति बन जाता है।

(गीता -३/१९)

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org